



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 260]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 15, 2000/कार्तिक 24, 1922

No. 260]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 15, 2000/KARTIKA 24, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 2000

प्रारंभिक निष्कर्ष

विषय : चीन जनवादी गणराज्य से स्ट्राशियम कार्बोनेट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच

18/1/2000 डी जी ए डी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को उपरोक्त नियमावली के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता मै0 टी सी एम लि0 से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य तथा जर्मनी के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए स्ट्राशियम कार्बोनेट (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था । तथापि, याचिकाकर्ता ने जर्मनी से संबद्ध वस्तु के आरोपित पाटन के संबंध में अपनी शिकायत को दिनांक 5.5.2000 के अपने पत्र द्वारा वापस ले लिया था ।
- (ii) याचिकाकर्ता द्वारा दायर की गई याचिका की आरंभिक जांच करने से कतिपय त्रुटियों का पता लगा जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया था । अतः याचिका को समुचित रूप से प्रलेखित माना गया था ।

- (iii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) से संबद्ध वस्तु के आयातों की जांच करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने नियमावली के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप के प्राप्त होने की सूचना नई दिल्ली स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को दी।
- (iv) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची I के सीमाशुल्क कोड 2836.92 तथा आई टी सी कोड 28369200 के अंतर्गत वर्गीकृत चीन जनवादी गणराज्य के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करने संबंधी एक सार्वजनिक सूचना 28.7.2000 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की।
- (v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) तथा उद्योग एसोसिएशनों को भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया।
- (vi) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों (जिनका ब्यौरा याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने के लिए कहा।
- (vii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से जांच अवधि सहित पिछले 3 वर्षों में भारत में हुए संबद्ध वस्तु के आयातों का ब्यौरा देने का अनुरोध किया गया था।
- (viii) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावासों को भेजी। याचिका की एक प्रति अन्य हितबद्ध पार्टियों को भी अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई गई।
- (ix) प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी:-
1. मै0 हेबेई जिंजी केमिकल प्लांट
 2. मै0 क्विंगडाओ रेड स्टार केमिकल ग्रुप
 3. मै0 चाईना नेशनल केमिकल कारपोरेशन
- (x) नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावासों को भी नियम 6(2) के अनुसार जांच आरंभ करने के बारे में सूचना दी गयी थी और उनसे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रति, ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गई थी।
- (xi) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपयोगकर्ता एसोसिएशनों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी:-

1. मै0 डी एच पी हीनोडे इंडस्ट्रीज लि0, पुणे
2. मै0 मौरिस इलेक्ट्रॉनिक्स, पुणे
3. मै0 जी पी इलेक्ट्रॉनिक्स, नासिक
4. मै0 वीडियोकॉन नर्मदा इलेक्ट्रॉनिक्स लि0
5. मै0 वीडियोकॉन इंटरनेशनल लि0
6. मै0 वीडियोकॉन नर्मदा ग्लास लि0

(xii) निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना का प्रत्युत्तर/उसके संबंध में सूचना दायर की गई थी:-

1. मै0 सिनोकेम हेबेई, चीन जनवादी गणराज्य
2. मै0 चाईना नेशनल केमिकल कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन, चीन जनवादी गणराज्य

(xiii) निम्नलिखित आयातकों/उपयोगकर्ता एसोसिएशनों द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना का प्रत्युत्तर/उसके संबंध में सूचना दायर की गई थी :-

1. मै0 वीडियोकॉन नर्मदा ग्लास लि0, भरूच, गुजरात

(xiv) याचिकाकर्ता से क्षति संबंधी मापदंडों, उत्पादन लागत के बारे में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो उन्होंने दे दी थी ।

(xv) प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सीमा तक याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध की गई सूचना का सत्यापन किया ।

(xvi) प्राधिकारी ने उसके द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में, विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा ।

(xvii) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर और याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई लागत संबंधी सूचना का विश्लेषण करके भारत में संबद्ध वस्तु की ईष्टतम उत्पादन लागत तथा उसके निर्माण और बिक्री की लागत का हिसाब लगाया गया था ।

(xviii) *** यह चिह्न इस अधिसूचना में एक हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा माने जाने का द्योतक है ।

(xix) यह जांच दिनांक 1.4.1999 से 31.3.2000 तक अर्थात् जांच अवधि के लिए की गई थी ।

(XX) प्राधिकारी द्वारा कुछेक हितबद्ध पार्टियों द्वारा अनुरोध किए जाने पर सूचना दायर करने के लिए 28.9.2000 तक समय बढ़ाने की अनुमति भी प्रदान की गई थी ।

ख. निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

1. याचिकाकर्ता के विचार

(क) विचाराधीन उत्पाद के संबंध में

1. स्ट्राशियम कार्बोनेट सफेद पाउडर के रूप में एक अकार्बनिक रसायन है जिसका रासायनिक सूत्र SrCO_3 है और इसका उपयोग हार्ड फेरिट तथा कलर टी वी ग्लास शैल्स के उत्पादन में किया जाता है और यह सीमाशुल्क टैरिफ, 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2836.92 के तहत तथा आई टी सी के तहत 28369200 के रूप में वर्गीकृत हैं ।

(ख) घरेलू उद्योग के संबंध में

1. मै0 टी सी एम लि0 भारत में स्ट्राशियम कार्बोनेट का एक मात्र उत्पादक है ।

(ग) समान वस्तु के संबंध में

1. संबद्ध वस्तु सोमाशुल्क शीर्ष 2836.92 के अंतर्गत आती है और इसका कोई व्यवहार्य प्रतिस्थापन नहीं है । घरेलू और आयातित दोनों वस्तुओं का उपयोग एक ही प्रकार के उपभोक्ता द्वारा किया जाता है और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देश में उत्पादित वस्तु की उत्पादन प्रक्रिया में कोई खास अंतर नहीं है ।

(घ) पाटन के संबंध में

1. यद्यपि हमने चीन में स्ट्राशियम कार्बोनेट की कीमत के संबंध में सूचना एकत्र करने के प्रयास किए हैं, तथापि हम इस सूचना को एकत्र करने में समर्थ नहीं हुए हैं । नियमों के अनुसार, सामान्य मूल्य का आकलन भारत में समान वस्तु की उत्पादन लागत के आधार पर किया जा सकता है । *** % लाभ को जोड़ने के बाद हमारी उत्पादन लागत के आधार पर चीन में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य *** रूपए/मी0 टन बैठता है ।

2. कारखाना स्तर पर कीमत निकालने के लिए डी जी सी आई एंड एस द्वारा उपलब्ध करवाई गई सी आई एफ कीमतों का समायोजन समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा संबंधी खर्चों, चीन तथा पत्तनों पर भारतीय एजेंटों तथा व्यापारिक घरानों के कमीशन तथा अन्य खर्चों के साथ किया जा सकता है । उपरोक्त खर्चों के समायोजन के बाद निवल निर्यात कीमत *** रूपए/मी0 टन बैठती है ।

2. उपरोक्त गणनाओं के आधार पर पाटन मार्जिन 153.4 % बैठता है ।

(ड) क्षति के संबंध में

1. संबद्ध देशों से होने वाले आयातों में तेजी से वृद्धि हुई है जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहा है । बाजार हिस्से में हुए परिवर्तन इस प्रकार है:-

<u>वर्ष</u>	<u>भारत में उत्पादन(मी० टन)</u>	<u>आयात (मी० टन)</u>
1995-96	173.000	शून्य
1996-97	51.500	501.425
1997-98	586.900	236.000
1998-99	330.000	1186.20
1999-2000 (अप्रैल-अगस्त)	130.000	1041.80(2500)* * वार्षिक

2. घरेलू उद्योगों का उत्पादन 51 % तक घट गया है । वर्ष 1995-96, 1996-97, 1997-98, 1998-99 तथा वर्ष 1999 (अप्रैल-सितम्बर) में उत्पादन क्रमशः 173 मी० टन, 51.500 मी० टन, 236.500 मी० टन, 330 मी० टन तथा 130.400 मी० टन रहा ।

3. घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री प्राप्ति में कमी लाने के लिए बाध्य किया गया है । यह अपनी चर लागत को भी प्राप्त करने में समर्थ नहीं रहा है ।

4. याचिकाकर्ता एक बहु-उत्पाद कंपनी है और यह प्रत्येक उत्पाद के लिए अलग-अलग रिकार्ड नहीं रखती है । तथापि, कंपनी को संबद्ध वस्तु की बिक्री में भारी घाटा उठा रही है ।

5. देश में संबद्ध वस्तु की मांग पिछले दो वर्षों से लगभग स्थिर बनी हुई है लेकिन सस्ते आयातों के कारण उपभोक्ता स्थानीय विनिर्माताओं से समान दरों की मांग करते हैं जिसके लिए उन्हें अपनी कीमतों को आयातित वस्तुओं की कीमत के बराबर रखना पड़ता है ।

2. निर्यातकों के विचार

(क) पाटन के संबंध में

1. मै० साइनोकेम हेबेई ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं -

- (i) मै0 साइनोकेम हेबेई सूचना देने के लिए इच्छुक है, इसलिए उसने सूचना देने के लिए समय बढ़ाने की इच्छा जाहिर की है।

2. मै० चाईना नेशनल केमिकल कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- (i) मै० चाईना नेशनल केमिकल कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन के पास कोई रिकार्ड नहीं है कि उसने भारत को स्ट्राशियम कार्बोनेट का निर्यात किया है।

3. आयाताओं एवं उपयोगकर्ता एसोसिएशनों के विचार

(क) समान वस्तु के संबंध में

1. मै० वीडियोकॉन नर्मदा ग्लास (वीडियोकॉन इंटरनेशनल लि०, भरूच का एक प्रभाग) ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं -

- (i) स्थानीय स्रोतों से प्राप्त स्ट्राशियम कार्बोनेट का उपयोग निम्नलिखित कारणों से हमारी कम्पनी द्वारा रंगीन पिक्चर ट्यूबों के लिए ग्लास पाटर्स के विनिर्माण हेतु नहीं किया जा सकता है:-

- स्थानीय रूप से विनिर्मित स्ट्राशियम कार्बोनेट की असंगत गुणवत्ता से रंगीन टी वी के ग्लास के गुणधर्मों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।
- स्थानीय रूप से विनिर्मित स्ट्राशियम कार्बोनेट के बैच रेसिपी को बहुत जल्दी परिवर्तित करना पड़ता है।
- पाउडर रूप में स्थानीय स्ट्राशियम कार्बोनेट इसके अन्य कच्चे माल के साथ मिश्रण को बुरी तरह प्रभावित करता है।
- इस प्रकार के घटिया मिश्रण के फलस्वरूप सामग्री का असमांग मिश्रण बनता है।
- इसलिए, इस प्रकार के असमांग शीशे के फलस्वरूप शीशे में प्रकाशकीय दोष, गॉब भार में अंतर तथा शीशे की विस्कासिता एवं घनत्व में परिवर्तन आ जाता है।
- पाउडर रूप में स्थानीय स्ट्राशियम कार्बोनेट से उत्तराई-धराई में अत्याधिक नुकसान होता है इसलिए कीमती सामग्री की बर्बादी होती है।
- स्थानीय विनिर्माता स्ट्राशियम कार्बोनेट का केवल पाउडर रूप ही बनाते हैं और इनकी क्षमता काफी सीमित है और ये स्ट्राशियम कार्बोनेट की आपूर्ति के लिए सदा अनियमित रहते हैं।

- (ii) स्थानीय विनिर्माताओं को बढ़ावा देने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हमने उनसे स्ट्राशियम कार्बोनेट की खरीददारी शुरू कर दी है। तथापि, उनके द्वारा की गई आपूर्ति

दुर्भाग्यवश रंगीन टी वी के ग्लास पाटर्स के विनिर्माण के लिए आवश्यक कड़े गुणवत्ता संबंधी विनिर्देशनों को पूरा नहीं करती थी।

- (iii) विश्व स्तर पर टी वी ग्लास पाटर्स में रंगीन टी वी के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ग्लास पाटर्स के विनिर्माण के लिए स्वेदार/छोटे दानेदार ग्रेड के स्ट्रांशियम कार्बोनेट का उपयोग किया जाता है। भारतीय विनिर्माता स्वेदार/छोटे दानेदार स्ट्रांशियम कार्बोनेट का विनिर्माण नहीं करते हैं।
- (iv) स्ट्रांशियम कार्बोनेट के दाने महत्वपूर्ण तथा उच्च मूल्य वाली कच्ची सामग्रियों में से एक है और यह तकनीकी, गुणवत्ता तथा सुरक्षा कारणों से एक आवश्यक निविष्टि है। इसलिए स्ट्रांशियम कार्बोनेट पर दिनांक 28.2.1999 की सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 25/99 - सीमाशुल्क के द्वारा घटे हुए आयात शुल्क के तहत विचार किया गया है।

(ख) क्षति के संबंध में

- (i) आयातकों/उपयोगकर्ताओं द्वारा पिछले दो वर्षों तथा जांच अवधि के दौरान किए गए देश-वार आयातों के ब्यौरे नमूना साक्ष्य के साथ उपलब्ध करवाए गए हैं।

(ग) प्राधिकारी द्वारा जांच

निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया है तथा इन निष्कर्षों में उचित स्थानों पर उस सीमा तक उन पर कार्रवाई की गई है जहां तक ये नियमों के अनुसार संगत थे और इस मामले पर प्रभाव डालते थे।

1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्ट्रांशियम कार्बोनेट है। स्ट्रांशियम कार्बोनेट एक सफेद अकार्बनिक रसायन है जो पाउडर तथा दानेदार दोनों रूपों में उत्पादित किया जाता है, जिसका रासायनिक सूत्र SrCO_3 है और इसका उपयोग हार्ड फेरिट तथा कलर टी वी ग्लास शैल्स के उत्पादन में किया जाता है। यह उत्पाद खुले सामान्यतः लाइसेंस (ओ जी एल) के तहत मुक्त रूप से आयात करने योग्य है और यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उप शीर्ष 2836.92 तथा आई टी सी 28369200 के तहत वर्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर किसी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

2. समान वस्तु

याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित तथा सीमाशुल्क शीर्ष 2836.92 एवं आई टी सी कोड 28369200 के तहत सीमाशुल्क टैरिफ के तहत यथा वर्गीकृत वस्तु का कोई स्थानापन्न नहीं है और यह कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित स्ट्रांशियम कार्बोनेट तथा चीन द्वारा निर्यातित स्ट्रांशियम कार्बोनेट में कोई खास अंतर नहीं है। इस उत्पाद के उपभोक्ता दोनों उत्पादों का उपयोग अपनी उत्पादन प्रक्रिया में बिना किसी परिवर्तन के कर रहे हैं। याचिकाकर्ता की सूचना के अनुसार याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया तथा संबद्ध देश के उत्पादकों द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया में कोई खास अंतर नहीं है। इसलिए याचिकाकर्ता ने यह अनुरोध किया है कि घरेलू वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित वस्तु को नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयातित वस्तु के समान वस्तु ही समझा जाए।

याचिकाकर्ता नामतः मै० वीडियोकॉन नर्मदा ग्लास लि० ने यह अनुरोध किया है कि घरेलू उत्पादक उनके द्वारा यथा अपेक्षित गुणवत्ता वाली वस्तु की आपूर्ति नहीं करते हैं और इससे गुणवत्ता संबंधी कुछेक समस्याएं उत्पन्न होती हैं जैसा कि पूर्वोक्त पैरा में उल्लेख भी किया गया है।

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू तौर पर उत्पादित और आयातित दोनों वस्तुएं समान सीमाशुल्क और आई टी सी शीर्ष क्रमशः 2836.92 और 28369200 के अंतर्गत आती हैं। दोनों ही उत्पादों का समान रासायनिक यौगिक होता है और उनका समान अत्यंत उपयोग है। यद्यपि आयातक ने गुणवत्ता संबंधी मुद्दों का उल्लेख किया है तथापि अपने अनुरोध को प्रमाणित करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं किया है। इसके अलावा आयातक द्वारा किसी अपशिष्ट अथवा किसी गुणवत्ता संबंधी समायोजन का आकलन भी नहीं किया गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि गुणवत्ता संबंधी पहलुओं में तकनीकी अथवा वाणिज्यिक अप्रतिस्थापनीयता निहित नहीं होती है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि विगत में आयातक अपनी जरूरतों को घरेलू उत्पादकों से पूरा करता रहा है। उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू तौर पर उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से आयातित वस्तु दोनों ही नियम 2 (घ) के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

3. घरेलू उद्योग

यह याचिका मै० टी सी एम लि० द्वारा दायर की गई है जिसका पंजीकृत कार्यालय पो० बा० सं० 19, कलम्बासेरी-6831014, केरल में स्थित है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता भारत में स्ट्रांशियम कार्बोनेट का एकमात्र उत्पादक है और इसलिए यह नियम 5(क) और (ख) और नियम 2 (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में है।

4. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

धारा 9(क) (1) (ग) के अधीन किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:-

- (i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उप धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो: या
- (ii) जहाँ निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यात देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो:-
 - (क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु का उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य: या

(ख) मूल देश में कथित वस्तु की उत्पादन लागत समेत प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत में उचित वृद्धि और उप धारा (6) के तहत निर्मित नियमानुसार यथा निर्धारित लाभ।

बशर्ते कि मूल देश से भिन्न किसी अन्य देश की वस्तु के आयात के मामले में और जहां इस वस्तु को निर्यातक देश के जरिए भेजा गया हो अथवा ऐसी वस्तु निर्यातक देश में उत्पादित न होती हो अथवा निर्यातक देश में इसकी कोई तुलनीय कीमत न हो, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

सामान्य मूल्य

चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गयी प्रश्नावली का उत्तर नहीं भेजा है। अतः प्राधिकारी 15.7.99 को यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, उचित समायोजन के साथ उस सीमा तक घरेलू उत्पादक की उत्पादन लागत का संदर्भ देना उचित समझते हैं जिस सीमा तक संबद्ध देश में संबद्ध सामान का सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए सूचना उपलब्ध है। संबद्ध देश में संबद्ध सामान का परिकलित सामान्य मूल्य *** डालर/मी.टन आता है।

निर्यात कीमत

किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। तथापि, एक आयातक अर्थात् मैसर्स विडियोकॉन नर्मदा ग्लास लि. ने जाँच अवधि के दौरान और पिछले 2 वर्षों के दौरान उनके द्वारा किए गए आयातों के ब्यौरे प्रदान किए हैं। प्राधिकारी ने आयातक के उत्तर और याचिकाकर्ता द्वारा किए गए तथा डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त सहबद्ध आंकड़ों के आधार पर जाँच अवधि के दौरान भारित औसत सी आई एफ मूल्य का संदर्भ दिया है। संबद्ध सामान की कारखानागत निर्यात कीमत का मूल्यांकन करने के लिए प्राधिकारी ने समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन और पत्तन व्यय के रूप में क्रमशः *** डालर/मी.टन, *** डालर/मी.टन, *** प्रतिशत और *** डालर/मी.टन के समायोजन पर विचार किया है। प्राधिकारी यह बात भी नोट करते हैं कि आयातक द्वारा साक्ष्य के रूप में दिए गए बीजक के नमूनों के अनुसार, चीन के उत्पादक/निर्यातक ने भारतीय आयातकों को *** दिनों के लिए उधार दिया है। अतः प्राधिकारी ने उधार लागत के आधार पर *** डालर/मी.टन की सीमा तक समायोजन पर विचार किया है। संबद्ध सामानों की भारित औसत कारखानागत निर्यात कीमत *** डालर/मी.टन आती है।

6. पाटन-सामान्य मूल्य और निर्यात की तुलना

तुलना संबंधी नियमों में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

तुलना संबंधी नियमों में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

"पाटन मार्जिन निकालते समय प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा । तुलना समान स्तर के व्यापार पर की जाएगी, सामान्यतया कारखानागत स्तर पर, और कूी गई बिक्री के मामले में यथा संभव उसी समय पर प्रत्येक मामले में इस के गुण-दोष के आधार पर ऐसी भिन्नताओं के लिए उचित छूट दी जाएगी जो कीमत तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं जिसमें बिक्री की शर्तों, कराधान, व्यापार स्तर, मात्राएं, भौतिक गुण और कोई अन्य भिन्नताएं शामिल हैं जो कीमत तुलनीयता पर प्रभाव डालने के लिए प्रदर्शित की गई हों ।"

प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का मूल्यांकन करने के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य की तुलना भारत औसत कारखाना निर्यात कीमत के साथ की है ।

निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन प्रतिशत
सभी निर्यातक/उत्पादक	*****	*****	74.56

निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन 74.56 प्रतिशत आता है ।

6. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में.....पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है कीमत वृद्धि में अन्यथा रुकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती ।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों से पड़ने वाले प्रभावों की जांच करने के लिए हमें ऊपर नियमों के अनुबंध II (Iv) के अनुसार ऐसे सूचकों पर विचार करना होगा जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसेकि उत्पादन क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि ।

प्राधिकारी निम्नानुसार अभिमत व्यक्त करते हैं

- (i) घरेलू उद्योग का उत्पादन 1998-99 में 330.55 मी.टन तथा 97-98 में 236.65 मी.टन से घटकर जांच अवधि में 159.25 मी.टन हो गया है ।
- (ii) क्षमता उपयोग 98-99 में 33.05 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि में 15.92 प्रतिशत हो गया है ।
- (iii) घरेलू उद्योग की बिक्री 98-99 में 210.9 मी.टन तथा 97-98 में 219.4 मी.टन से घटकर जांच अवधि में 71.35 मी.टन हो गई है ।
- (iv) घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 97-98 में 16.1 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि में 3.84 प्रतिशत तक हो गया है जबकि इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश का बाजार हिस्सा 54.23 प्रतिशत बढ़कर 71.28 प्रतिशत हो गया है ।
- (v) जांच अवधि में निवल बिक्री प्राप्ति *** रु./मी.टन, अर्थात् घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से कम रही है । वर्ष 97-98 तथा 98-99 के लिए निवल बिक्री प्राप्ति भी घरेलू उद्योग को उत्पादन लागत से लगातार कम रही है ।
- (vi) संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के कारण कीमतों में कमी एवं कीमतों में कटौती हुई है जिससे घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति में कमी आई है और परिणामस्वरूप *** डालर/मी.टन की सीमा तक वृत्तीय घाटा हुआ है ।
- (vii) संबद्ध वस्तु की मांग में 96-97 से जांच अवधि तक उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है अर्थात् यह 96-97 में 1042 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि में 1858 मी.टन हो गई है ।
- (viii) उत्पादन लागत और क्षतिरहित बिक्री कीमत का निर्धारण करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु के विनिर्माण के लिए कच्ची सामग्री, उपयोगिताओं और खपत योग्य वस्तुओं के इस्तेमाल में अपनायी जा रही बेंचमार्किंग की सर्वोत्तम प्रक्रिया द्वारा प्रसामान्यीकृत लागत पर विचार किया है । बढ़ती हुई मांग के साथ साथ उत्पादन की प्रसामान्यीकृत लागत पर विचार करके उपरोक्त आर्थिक मापदंड सामूहिक एवं संचयी रूप

से यह दर्शाते हैं कि खोए हुए बाजार हिस्से के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंची है और कम कीमतों पर पाटित आयातों के कारण निवल बिक्री प्राप्ति में आई गिरावट से लाभप्रदता में भी कमी आई है।

7. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

कुछ हितबद्ध पक्षों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि पाटनरोध शुल्क लगाने से उपयोक्ता उद्योग पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि वे घरेलू उद्योग की दया पर निर्भर हो जाएंगे। यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुएं गुणवत्ता की दृष्टि से असंगत हैं और वे अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विनिर्देशनों को पूरा नहीं करती हैं। प्राधिकारी ने उपरोक्त तर्कों पर विचार किया है और यह निर्णय लिया है कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य उस पाटन को समाप्त करना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच रही है, तथा भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की ऐसी स्थिति बहाल करना है जो कि देश के सामान्य हित में हो।

प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि यद्यपि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सम्बद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा और घरेलू उद्योग के ह्रास को रोका जा सकेगा और उपभोक्ताओं के पास संबद्ध वस्तु के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेगा।

जहां तक संबद्ध वस्तु की गुणवत्ता का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपयोक्ता उद्योग ने गुणवत्ता संबंधी अपने दावों को न्यायोचित ठहराने के लिए कोई यथेष्ट साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है और इसके अलावा उसने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के उपयोग द्वारा उत्पन्न होने वाली अपशिष्ट की मात्रा का आकलन भी नहीं किया है। प्राधिकारी का मानना है कि गुणवत्ता में अंतर होने से वस्तु अप्रतिस्थापनीय या एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त न होने योग्य नहीं बन जाती है और यह कि इससे वह जांच के दायरे से बाहर नहीं हो जाती है।

8. पहुंच मूल्य

प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजन से जांच पूरी होने तक स्ट्रॉन्शियम कार्बोनेट के पाउडर और दानेदार/खेददार ग्रेड के लिए पहुंच मूल्य का निर्धारण सीमाशुल्क के उपयुक्त स्तर (धारा 3,3क,8ख,9,9क के अधीन लगाए गए शुल्कों को छोड़कर) और एक प्रतिशत उताराई प्रभार के जोड़ने के बाद अलग-अलग किया गया है।

(घ) निष्कर्ष

पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् यह देखा गया है कि:

(क) संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित सभी रुपों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत को निर्यात किया गया है ।

(ख) घरेलू उद्योग को उसके बाजार हिस्से में आई गिरावट के रुप में वास्तविक क्षति हुई है और पाटित संबद्ध वस्तु की कम पहुंच कीमत के कारण कीमत में कमी के चलते कम निवल बिक्री प्राप्ति होने के कारण वित्तीय घाटा हुआ है ।

(ग) संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । प्राधिकारी अध्याय-28 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित सभी रुपों में संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

(घ) पाटन मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने पर विचार किया गया था ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त किया जा सके । तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 28 सीमाशुल्क उपशीर्ष 2836.92 और आईटीसी 28369200 के अंतर्गत आने वाले चीन के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से अंतिम निर्धारण होने तक निम्नानुसार अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए ।

1	2	3
क्रम संख्या	निर्यातक/उत्पादक का नाम	शुल्क की राशि
	सभी निर्यातक/उत्पादक	(अमरीकी डालर/मी.टन) 291.76

(ड.) आगे की प्रक्रिया:

प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया जाएगा:

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा ;

(ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और संबंधित समझी जाने वाली अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करवा सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है ;

(ग) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन करेंगे ।

(घ) प्राधिकारी मौखिक अनुरोध हेतु सभी हितबद्ध पार्टियों को अवसर प्रदान करेंगे जिसके लिए सभी ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से तारीख और समय की सूचना दी जाएगी ।

(ड.) प्राधिकारी अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्य उजागर करेंगे ।

एल. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY
(Department of Commerce)
(Directorate General of Anti-Dumping & Allied
Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th November, 2000

PRELIMINARY FINDINGS

**Sub: Anti-Dumping investigation concerning imports of Strontium
Carbonate from People's Republic of China**

18/1/2000-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from the Petitioner M/s TCM Ltd. on behalf of domestic industry, alleging dumping of Strontium Carbonate (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from People's Republic of China and Germany. The petitioner, however, withdrew their complaint regarding alleged dumping of subject goods from Germany vide their letter dt. 5.5.2000.
 - ii) Preliminary scrutiny of the application filed by the petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented.
 - iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigation against imports of subject goods from People's Republic of China

(hereinafter referred to as subject country). The authority notified the Embassy of People's Republic of China in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rule.

- iv) The Authority issued a public notice dated 28.7.2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under custom Code 2836.92 and ITC code 28369200 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from People's Republic of China.
- v) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2):
- vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter.
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation.
- viii) The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested.
- ix) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters/producers in the subject country in accordance with the Rule 6(4):

1. M/s Hebei Xinji Chemical Plant
2. M/s Qingdao Red Star Chemical Group

3. M/s China National Chemical Corporation

x) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy of the subject country alongwith a list of known exporters/producers.

xi) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):

1. M/s DHP Hinoday Industries Ltd., Pune
2. M/s Morris Electronics, Pune
3. M/s GP Electronics, Nasik
4. M/s Videocon Narmada Electronics Ltd.
5. M/s Videocon International Ltd.
6. M/s Videocon Narmada Glass Ltd.

xii) Response/ information to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers:

1. M/s Sinochem Hebei, People's Republic of China
2. M/s China National Chemical Construction Corporation, People's Republic of China

xiii) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following Importers/user Associations:

1. M/s Videocon Narmada Glass Ltd., Bharuch, Gujarat

- xiv) Additional information regarding injury parameters, cost of production was sought from the petitioner, which was also furnished.
- xv) The Authority verified the information provided by the petitioner to the extent considered necessary.
- xvi) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- xvii) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India was worked out on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and by analysing the cost information furnished by the petitioner.
- xviii) ****in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xix) Investigation was carried out for the period starting from 1.4.99 to 31.3.2000 i.e. the period of investigation (POI).
- xx) Extension to file information upto 28.9.2000 was also granted by the Authority on request of certain interested parties.

B . VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

1. PETITIONER'S VIEWS

a) ON PRODUCT UNDER CONSIDERATION

1. Strontium Carbonate is an inorganic chemical in white powder form with chemical formula Sr CO_3 and is used in the production of hard ferrite and colour TV glass shells and is classified under Customs Sub-heading 2836.92 and under ITC as 28369200 of the Customs Tariff Act, 1975.

b) ON DOMESTIC INDUSTRY

1. M/s TCM Ltd. is the only producer of Strontium Carbonate in India.

c) ON LIKE ARTICLE

1. The subject goods fall under the custom head 2836.92 and have no viable substitute. Both domestic and imported goods are used by the same consumers and that there is no significant difference in the production process of domestically produced subject goods and those produced in the subject country.

d) ON DUMPING

1. Though we have made efforts for collecting information with regard to price of strontium Carbonate in China, we have not been able to gather the same. According to the Rules, normal value can be constructed on the basis of the cost of production of the Like Article in India. Normal value of subject goods in China based on our cost of production after adding ***%profit comes to Rs. ***/MT.
2. The CIF prices as provided by DGCI&S may be adjusted with the expenses on ocean freight, marine insurance, commission to Indian agent and trading house in China and port and other expenses to arrive at the ex-factory price. After adjustment of the above expenses, net export price comes to Rs. ***/MT.
2. The dumping margin based on the above calculations comes to 153.4%.

e) ON INJURY

1. The imports from the subject countries have increased sharply which is affecting the domestic industry. The changes in the market share are as under :-

Year	Production in India(MT)	Import (MT)
1995-96	173.000	Nil
1996-97	51.500	501.425
1997-98	586.900	236.000
1998-99	330.000	1186.20
1999-2000 (Apr-Aug)	130.000	1041.80(2500)* *Annnualised

2. The Production of the domestic industry has declined by 51%. The production in the years 95-96, 96-97, 97-98 and 98-99 and 1999 (Apr-Sept.) has been 173MT, 51.500MT, 236.500MT, 330MT, 130.400MT respectively.
3. The domestic industry has been forced to reduce its sales realisation. It has not able to cover its variable cost even.
4. The petitioner is a multi-product company and does not maintain separate records for each products. However, the company is making huge losses on the sale of the subject goods.
5. The demand of the subject goods in the country is almost stagnant for the last two years but due to cheap imports, consumers demand similar rates from local manufacturers who have to match the price of imported goods.

2. EXPORTER'S VIEWS

a) ON DUMPING

1. M/s Sinochem Hebei has made the following submissions:--

- i) M/s Sinochem Hebei is keen to file the information, therefore, desires extension of time to file the information.

2. M/s China National Chemical Construction Corporation has made the following submissions:--

- i) M/s China National Chemical Construction Corporation do not have any records of having exported Strontium Carbonate to India.

3. IMPORTERS AND USER ASSOCIATIONS VIEWS

a) ON LIKE ARTICLE

1. M/s Videocon Narmada Glass (A division of Videocon International Ltd., Bharuch) has made the following submissions:-

- i) The Strontium Carbonate of the local source, cannot be used by our company for manufacture of glass parts for colour picture tubes on account of the following reasons:-

- Inconsistent quality of locally manufactured strontium Carbonate seriously affects the colour TV glass properties.
- Batch recipe has to be changed very frequently for locally manufactured Strontium Carbonate
- The powder form local strontium Carbonate badly affects the blending with other raw materials.
- Such poor blending results into inhomogeneous mixing of material.
- Such inhomogeneous glass, therefore results into optical defects in the glass, gob weight variation and changes the viscosity and density of the glass.
- The powder form local Strontium Carbonate is highly susceptible to handling losses and thus wastage of costly material.
- The local manufacturer make only powder form Strontium Carbonate having very limited capacity and are invariably irregular for the supply for Strontium Carbonate.

- ii) In order to promote and encourage the local manufacturers, we have started procuring Strontium Carbonate from them. However, unfortunately the supply made by them were not

meeting the stringent quality specifications required for manufacture of colour TV glass parts.

- iii) World wide TV glass parts use prilled/small granular grade Strontium Carbonate for manufacture of high quality glass parts for colour TV. The Indian manufacturers do not manufacture prilled/small granular strontium Carbonate.
- iv) Strontium Carbonate granules is one of the critical and high value raw material and essential input for technical, quality and safety reasons. Therefore, strontium Carbonate has been considered under reduced import duty by the Custom Notification NO. 25/99-Cus dt. 28.2.99.

b) ON INJURY

- i) Details on country-wise imports made during the POI and last two years have been provided by the importer/user with sample evidence.

C. EXAMINATION BY AUTHORITY

The foregoing submissions made by the exporters, the importers, the petitioner and other interested parties have been examined, considered and dealt with at appropriate places in these findings to the extent these are relevant as per Rules and have a bearing upon the case.

1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration in the present investigation is Strontium Carbonate originating in or exported from the subject country. Strontium Carbonate is a white inorganic chemical produced in both powder and granular form with chemical formula Sr CO_3 and is used in the production of hard ferrite and colour TV glass shells. The product is freely importable under OGL and it is classified under

Customs Sub-heading 2836.92 and 28369200 of ITC of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

2. LIKE ARTICLE

The petitioner has claimed that goods produced by them and as classified by the Custom Tariff under the Head 2836.92 and under ITC as 28369200 have no substitute and that there is no significant difference in Strontium Carbonate produced by the domestic industry and that exported from China. The consumers of the product are using both the products without making any changes in their production process. Also according to the petitioner's information there is no significant difference in the production process adopted by the petitioner and the producer in the subject country. The petitioner has, therefore, submitted that the domestic goods and imported goods from subject countries be treated as Like Article to the goods imported from the subject country within the meaning of the Rules.

The importer viz. M/s Videocon Narmada Glass Ltd. has submitted that the domestic producer does not supply goods of the quality as required by them and that it leads to certain quality problems as also illustrated in the foregoing para.

The authority notes that both the domestically produced and imported goods fall under the same custom and ITC Heading 2836.92 & 28369200 respectively. Both the products are having the same chemical composition and have the same end use. Though the importer has highlighted the issues of quality, no evidence has been provided substantiating such submissions. Further any wastages or any quality adjustments have also not been quantified by the importer. The authority notes that quality aspects do not imply technical or commercial non-substitutability. Also the authority notes that in the past the importer has been sourcing its requirements from the domestic producer. In view of the above, the authority holds that

both the domestically produced subject goods and those imported from the subject country are Like Article within the meaning of the Rules 2(d).

3. DOMESTIC INDUSTRY

The petition has been filed by M/s TCM Ltd. having registered office at P.B.No. 19, Kalamassery-6831014, Kerala. The authority holds that the petitioner is the sole producer of Strontium Carbonate in India and therefore, satisfies the standing to file the petition on behalf of the domestic industry as per Rule 5(a) and (b) and Rule 2(b).

4. NORMAL VALUE & EXPORT PRICE

Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under subsection (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under subsection (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Normal value

None of the exporters/producers in China have responded to the Questionnaire sent by the Authority. In accordance with the Anti-Dumping Rules as amended on 15.7.99, the Authority, therefore, considers it appropriate to reference the cost of production of the domestic producer with appropriate adjustments to the extent the information is available for constructing the normal value of the subject goods in the subject country. The constructed normal of the subject goods in the subject country value comes to ***\$/MT.

Export price

None of the exporters/producers have responded to the questionnaire. However, one of the importers viz. M/s Videocon Narmada Glass Ltd. have provided details of the imports made by them during the POI and in the past 2 years. The authority has referenced the weighted average CIF value during the POI based on the response of the importer as also co-related with the data supplied by the petitioner and that obtained from DGCI&S. For evaluating the ex-factory export price of the subject goods, the authority has considered adjustments on ocean freight, ocean insurance, commission and port expenses to an extent of ***\$/MT, ***\$/MT ***% and

***\$/MT respectively. The authority also notes that as per the sample invoices evidenced by the importer, the producer/exporter from China have extended credit to the Indian importers to an extent of *** days. The authority, therefore, has considered an adjustment to an extent of ***\$/MT on the credit cost. The weighted average ex-factory export price of the subject goods comes to ***\$/MT.

5. DUMPING-Comparison of Normal Value & Export Price

The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

The authority has carried out comparison of weighted average normal value with the weighted average ex-factory export price for evaluation of dumping margin.

Exporter	Normal value	Export price	Dumping margin (%)
All exporters/ producers	*****	*****	74.56

The dumping margin for exporters comes to 74.56%.

6. INJURY AND CAUSAL LINK

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

The Authority observes the following

- i) Production of the domestic industry has declined to 159.25MT in the POI from 330.55 MT in 98-99 and 236.65 in 97-98.
- ii) The capacity utilization has declined from 33.05% in 98-99 to 15.92% in the POI.
- iii) The sales of the domestic industry have declined to 71.35MT in the POI from 210.9 MT in 98-99 and 219.4 MT in 97-98.
- iv) The domestic industry has lost market share from 16.1% in 97-98 to 3.84% in the POI, which the subject country has involved its market share from 54.23% to 71.28% during the same period.
- v) The Net Sales Realisation (NSR) has been at Rs. ***/MT in POI i.e. below the cost of production of the domestic industry.

The NSR has also been consistently below the cost of production of the domestic industry for the years 97-98 and 98-99.

- vi) There has been price suppression and price under-cutting on account of dumped imports from the subject country thus leading to fall in NSR of the domestic industry and consequential financial losses to an extent of ***\$/MT.
- vii) The demand of the subject goods has been rising progressively since 96-97 till POI i.e. from 1042 MT in 96-97, it has risen to 1858 MT in POI.
- viii) For the purpose of determination of cost of production and non-injurious selling price, the authority has considered normated cost by benchmarking best practices of the domestic industry in utilisation of raw materials, utilities and consumables for manufacture of subject goods. With the demand increasing, and by considering normated cost of production, the above economic parameters collectively and cumulatively indicate that the domestic industry has suffered material injury on account of loss of market share and also erosion of profitability due to fall in NSR on account of low priced dumped imports.

7. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

It has been argued by certain interested parties that with the levy of anti-dumping duties, will affect the user industry as they will be at mercy of the domestic industry. It is also argued that the quality of the goods supplied by the domestic industry is inconsistent in quality and does not meet the specifications at very competitive prices. The authority has considered the above arguments and holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping, which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

The authority recognises that though the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice of the subject goods to the consumers. Imposition of anti-dumping measures would also not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

As regards, the quality of the subject goods, the authority notes that the user industry has not provided any substantive evidence to justify their claims on quality and further they have not even quantified the wastages which arise by usage of the subject goods produced by the domestic industry. The authority holds that the difference in quality does not make the goods non-substitutable or non-interchangeable and that does not exclude them from the scope of investigation.

8. LANDED VALUE

The landed value has been determined separately for powder and granular/prilled grade of Strontium Carbonate after adding applicable level of custom duties (except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A) and one percent towards landing charges for the purposes of preliminary determination pending final investigation.

D. CONCLUSIONS:

It is seen, after considering the foregoing, that:

- a) The subject goods in all forms originating in or exported from the subject country have been exported to India below its normal value.
- b) The domestic industry has suffered material injury by way of decline in its market share and financial losses due to depressed NSR on account of price depression caused by low landed prices of the dumped subject goods.
- c) The injury has been caused to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country. The authority recommends anti-dumping duty on imports of all forms of subject goods falling under Chapter 28 originating in or exported from the subject country.
- d) It was considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties as set out below be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from China falling under Chapter 28 Customs sub-heading 2836.92 and ITC 28369200 of the Customs Tariff, pending final determination.

1	2	3
Sl.No.	Name of the exporter/producer	Amount of Duty (US\$/MT)
1.	All exporters/producers	291.76

E. FURTHER PROCEDURE

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- c. The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- e. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

